मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 20 दिसम्बर 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	21/12/19	22/12/19	23/12/19	24/12/19	25/12/19
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	29	28	28	29	29
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	13	12	13	13	13
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	3	0	0	0	1
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	55	53	51	52	54
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	19	17	18	19	16
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	6	6	6	5	5
हवा की दिशा	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
जीरा		जीरा की फसल में अच्छे अंकुरण के लिए 7–8 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करते रहें।
गेहूं		गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए प्रथम सिंचाई देने के 7–8 दिन बाद निराई गुडाई अवश्य करें।
जौ		जौ की फसल में बुवई के 25–30 दिन बाद प्रथम सिंचाई करें।
चना		चने की फसल मे लट के प्रकोप को कम करने के लिए इण्डोक्साकार्ब 14.5 एस.सी. 1 मिली लीटर का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
प्याज		प्याज की तैयार पौध की रोपाई करें। रोपाई से पूर्व 50 किलो नत्रजन, 50 किलो फास्फोरस एंव 100 किलो पोटाश प्रति हैक्टेयर की दर से खेत तैयार करते समय अन्तिम जुताई के समय दें।
बैंगन		बैंगन की शीतकालीन फसल में पौध रोपाई के 30 दिन बाद 50 किलो नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से सिंचाई के साथ दें।
पशु		बरसीम व रिजका अिधक खलाने से पशुओ में आफरा हो सकता है अतः पशुओं को हरे चारे के साथ सूखा चारा मिलाकार खिलाएं।

(नौडल ऑफीसर)